व्यवस्था वर्तमान आयात नीति के अन्तर्गत पहले ही की जा चुकी है और शेष आवश्यकता की पूर्ति के लिए सरकार द्वारा क्या निर्णय किया गया है; और

(ग) ऐसे छोटे और बड़े उद्योगों की संख्या कितनी है जिन्हें कच्चे माल की कमी के कारण काम के कुल समय में से आधे समय अथवा आधे से अधिक समय के लिए बन्द रहना पड़ता है और जिस के परिणामस्वरूप वे उद्योग घाटे पर चल रहे हैं ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय कार्य मंत्री (श्री फखरुद्दीन अली अहमद) : (क) तथा (ख) विद्यमान लघु उद्योगों तथा बड़े उद्योगों के लिए आवश्यक कच्चे माल के सम्भरण की कमी का प्रतिशत भिन्न भिन्न उद्योगों तथा भिन्न-भिन्न कारखानों के लिए अलग-अलग है। कई मामलों में तो उसका सही-सही अनुमान लगा सकना भी सम्भव नहीं होगा। इस जानकारी को एकत्र करने में लगने वाला समय इस से निकालने वाले निष्कर्षों के अनुरूप नहीं होगा।

उदार की गई आयात नीति के अन्तर्गत प्राथमिकता प्राप्त उद्योगों को अपनी पूर्ण उत्पादन क्षमता के लिए कच्चे माल, पुर्जों तथा फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति प्राप्त है। अन्य उद्योग चालू आयात व्यापार नियंत्रण नीति के अनुसार आयात की हकदारी रखते हैं और यह हकदारी उद्योगों के अनुसार निर्यात के 5 से लेकर 50 प्रतिशत तक होती है।

जहां तक देशी कच्चे माल का सम्बन्ध है समस्या केवल उन तक सीमित है जिन का सम्भरण कम है। उन के बारे में उपलब्धि की सीमाओं में प्राथमिकता प्राप्त तथा गैर-प्राथमिकता प्राप्त दोनों प्रकार के उद्योगों की आवश्यकता को पूरा करने के प्रयास किए गए हैं।

(ग) एक खाद्य परिष्करण कारखाने के अलावा जो कि माल जैसे कोकोआ बीन उपलब्ध न होने के कारण कुछ समय से बन्द पड़ा है। अन्य किसी भी कारखाने के आधे या इससे अधिक समय के लिए बन्द होने की सरकार को कोई भी जानकारी नहीं है।

Utilisation of Steel Scrap

5698. Shri S. R. Damani: Will the Minister of **Steel, Mines and Metals** be pleased to state:

(a) the steps Government are taking to encourage the utilisation of steel scrap;

(b) whether any steel is produced from this; and

(c) if so, the total quantity of steel produced during 1966-67?

The Minister of Steel, Mines and Metals (Dr. Chenna Reddy): (a) Government have liberalised the setting up of electric furnaces to produce steel by de-licensing the industry. Government have also promoted the setting up of the Metal Scrap Trade Corporation with the primary purpose of maximising collection and proper handling of scrap. This Corporation is further to ensure that the entire requirements of the furnaces in the country are met and that exports of certain types of scrap are allowed only after meeting indigenous demand. Scrap arisings in the integrated steel plants and major furnaces units are utilised direct by these units themselves.

(b) Yes, Sir.

(c) The exact quantity of steel produced from scrap is not readily available.

International Trade Fairs

5699. Shri S. R. Damani: Will the Minister of **Commerce** be pleased to state:

(a) the number of International Trade Fairs held during the year 1966-67; and

(b) in how many of them India participated and the reasons for not participating in other Fairs?